RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-30 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 15 अगस्त से 21 अगस्त 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

लाल किले से पीएम मोदी ने 'लखपति दीदी' का किया जिक्र, क्या है ये योजना, किसे मिलेगा फायदा

पीएम मोदी ने कहा कि गांवों में आज बैंक वाली दीदी, आंगनबाड़ी वाली दीदी हैं दवा देने वाली दीदी हैं। अब मेरा सपना है कि गांव-गांव में लखपति दीदी हों।

भारत आज 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले पर तिरंगा फहराया। वहीं इसके बाद पीएम मोदी ने 90 मिनट लंबा भाषण दिया। पीएम मोदी ने इस दौरान महिला सशक्तिकरण का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि बैंकों से लेकर आंगनबाड़ी तक, ऐसा कोई मंच नहीं है जहां महिलाएं योगदान न दे रही हों।

पीएम मोदी ने कहा, गांवों में आज बैंक वाली दीदी, आंगनबाड़ी वाली दीदी हैं दवा देने वाली दीदी हैं। अब मेरा सपना है कि गांव-गांव में लखपति दीदी हों। मेरा सपना है कि गांवों में 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने का और इसके लिए सरकार ने एक नई योजना शुरू करने का फैसला किया है। यानी पीएम मोदी का सपना है गांवों में दो करोड़ लखपति दीदी हों।

कैसे शुरू होगी यह योजना

लखपति दीदी योजना कब शुरू होगी, इसपर अभी तक सरकार ने कोई घोषणा नहीं की है। हालांकि लखपति दीदी योजना के तहत 15,000 महिला सेल्फ सहायता समूहों को ड्रोन चलाने और उसकी मरम्मत करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ग्रामीण स्तर पर इस समूह को बनाया जायेगा। इसके तहत महिलाओं को तकनीकी कामों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार भी बनेगा। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाएं सशक्त होंगी।

पिछले कई सालों से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग बढ़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं खेतों में काम करती हैं। अगर उन्हें ड्रोन चलाने में प्रशिक्षण हासिल होगा तो वे और अच्छे से काम कर पाएंगी और उनकी आमदनी भी बढ़ेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि देश को विकसित बनाना है तो देश को तीन बुराइयों से लड़ना बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा, देश से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को खत्म करना होगा। हम ईमानदारी से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे है। परिवारवाद और तुष्टीकरण ने देश का भारी नुकसान किया है। परिवारवाद ने देश को बर्बाद किया है। परिवारवाद ने देश को जकड़ रखा है। परिवारवाद पार्टियों के खिलाफ लड़ता रहूंगा। मेरे लिए मेरा देश ही परिवार है और मैं उनको दुखी होता नहीं देख सकता हूं।

मणिपुर में 25 साल बाद हिंदी फिल्म की स्क्रीनिंग होगी-1998 में आखिरी मूवी 'कुछ कुछ होता है' दिखाई गई; RPF ने बैन लगाया था

मणिपुर में चल रही हिंसा के बीच करीब 2 दशक के बाद हिंदी फिल्म की स्क्रीनिंग मंगलवार (15 अगस्त) की शाम को होगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आदिवासी संस्था हमार स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने इसका प्लान किया है। फिल्म चुराचांदपुर जिले के रेंगकाई (लामका) में दिखाई जाएगी, फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

एचएसए ने सोमवार (14 अगस्त) को एक बयान जारी किया था। इसमें कहा गया कि ये पहल मणिपुर के उन आतंकी संगठनों के विरोध में है, जिन्होंने कई दशकों से आदिवासियों को गुलाम बनाकर रखा है। एचएसए ने मणिपुर के लोगों से अपील की कि इस लड़ाई में हमारा साथ दें।

मणिपुर में 12 सितंबर 2000 से हिंदी फिल्म की स्क्रीनिंग बैन

एचएसए ने बताया कि मणिपुर में आखिरी बार 1998 में हिंदी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' की स्क्रीनिंग की गई थी। इसके बाद प्रतिबंधित संगठन रेवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट ने 12 सितंबर 2000 से हिंदी फिल्म की स्क्रीनिंग पर बैन लगा दिया। बैन लगाने के एक हफ्ते के भीतर आरपीएफ ने हिंदी भाषा के 6,000 से 8,000 वीडियो-ऑडियो कैसेट और कॉम्पैक्ट डिस्क जला दिए थे। इसका कारण बताया गया कि बॉलीवुड से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मणिपुर में 3 मई से हिंसा हो रही है

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतेई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। ST वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50% है। राज्य के करीब 10% इलाके में फैली इम्फाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90% इलाके में रहते हैं।

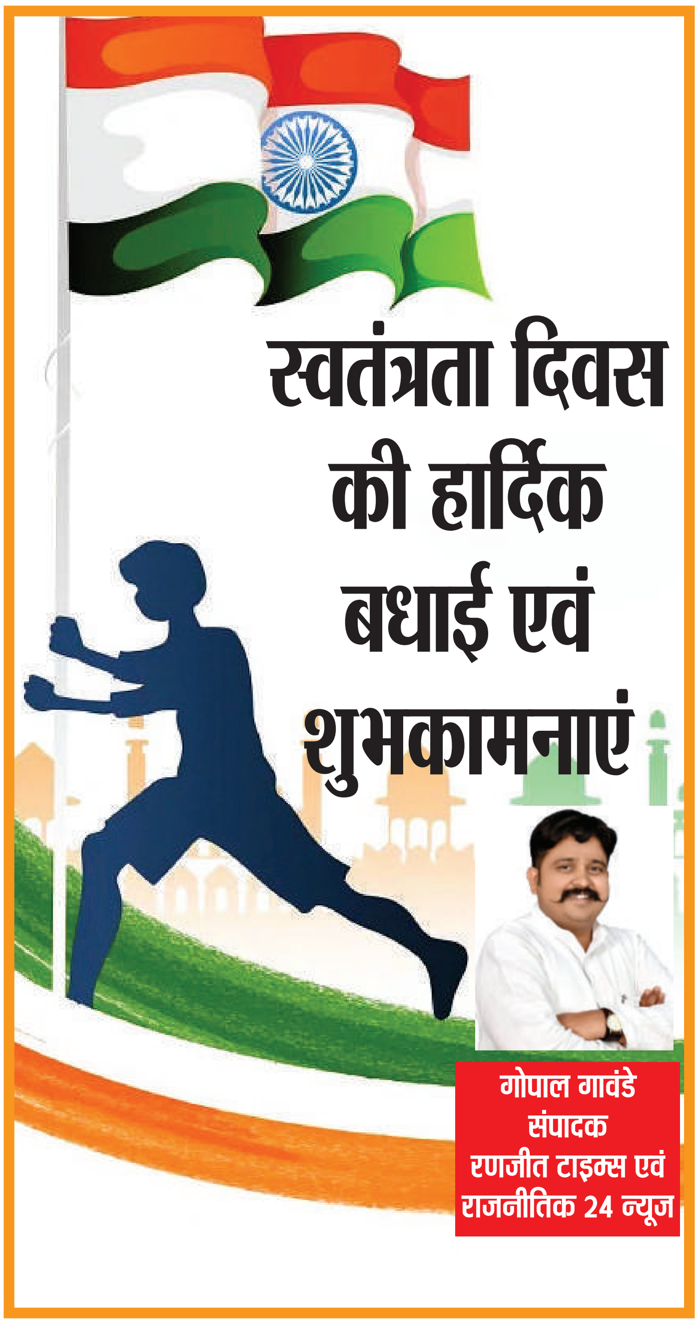

नूंह में शर्तों पर मिलेगी ब्रजमंडल यात्रा की मंजूरी

नूंह हिंसा का कारण बनी ब्रजमंडल यात्रा की फिर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। 31 जुलाई को इसी यात्रा में हिंसा हुई थी। इस बार नूंह पुलिस यात्रा को लेकर काफी सतर्क है। यात्रा के लिए पुलिस फुल प्रूफ प्लान तैयार कर रही है। यात्रा की मंजूरी के लिए पुलिस ने कुछ शर्तें तैयार की है, इन शर्तों को पूरा करने के बाद ही आयोजकों को यात्रा की मंजूरी दी जाएगी।

हालांकि अभी तक विश्व हिंदू परिषद या बजरंग दल की ओर से यात्रा की मंजूरी के लिए कोई आवेदन नहीं किया गया है, लेकिन जुलाई में सांप्रदायिक हिंसा के बाद बाधित हुई नूंह में अधूरी ब्रजमंडल यात्रा को फिर से शुरू करने का हिंदू संगठनों की महापंचायत में फैसला लिया जा चुका है। इसके लिए 28 अगस्त की तारीख रखी गई है, हालांकि यात्रा का दिन इससे आगे-पीछे भी हो सकता है।

अक्षय कुमार को भारत की नागरिकता मिली

ट्वीट कर कहा - अब दिल और सिटिजनशिप दोनों हिंदुस्तानी, अभी तक कनाडा के नागरिक थे

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को भारत की नागरिकता मिल गई है। 15 अगस्त के मौके पर अक्षय ने ट्विटर पर इसकी जानकारी शेयर की। उन्होंने लिखा- अब दिल और सिटिजनशिप दोनों हिंदुस्तानी हैं। हैप्पी इंडिपेंडेंस डे.. जय हिंद। गौरतलब है कि अक्षय कुमार के पास अभी तक कनाडा की नागरिकता थी। इसके चलते लोग उन्हें अक्सर कैनेडियन कुमार कहकर ट्रोल भी करते थे।

संपादकीय

हिमाचल प्रदेश में बारिश व बादल फटने से व्यापक तबाही

आवाजाही को सुगम बनाने के नाम पर पहाड़ों को काट कर सड़कों को चौड़ा करने की योजनाओं ने भूस्खलन के खतरों को कई गुना बढ़ा दिया है। इस वर्ष की बारिश ने एक नई चिंता खड़ी कर दी है, खासकर हिमाचल प्रदेश के लिए यह बेहद त्रासद साबित हो रही है। हालांकि कुछ दिन पहले बारिश का जोर कम हुआ था और लगा था कि अब वहां के लोग तबाही से उबरने की कोशिश करेंगे, मगर रविवार को फिर भारी बरसात और बादल फटने से राज्य के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

बीते दो दिनों में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश के चलते भारी जानमाल की क्षति हुई है। करीब पचास लोगों की मौत की खबरें हैं। अनेक जगहों पर भू-स्खलन की वजह से कई घर तबाह हो गए और उनमें बहुत सारे लोगों के दबे होने की आशंका है। शिमला के समरहिल इलाके में हुए भूस्खलन की चपेट में एक मंदिर आ गया, जिसमें उस समय काफी लोग जमा थे।

संपादक-
गोपाल गावंडे

कइयों की जान चली गई और कई मलबे में दब गए। इसी तरह, मंडी और सोलन में बादल फटने और कई अन्य इलाकों में भूस्खलन की वजह से घर ढह जाने से भी भारी तबाही हुई है। जाहिर है, मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश एक व्यापक आपदा से जूझ रहा है और देश भर में इसे लेकर चिंता पैदा हो रही है। इसी मौसम के पहले दौर की बरसात में भी हिमाचल प्रदेश में व्यापक तबाही हुई। काफी संख्या में लोगों की जान जाने से लेकर कई हजार करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन है। यों यह मौसम हर वर्ष ही पहाड़ी राज्यों के लिए बेहद संवेदनशील और खतरनाक साबित होता रहा है और लोग आमतौर पर इसका सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। मगर इस बार तबाही अन्य वर्षों के मुकाबले ज्यादा हुई है।

इस वर्ष अचानक सामान्य से बहुत ज्यादा बारिश होने और बादल फटने की अपेक्षया ज्यादा घटनाओं की वजह से नुकसान भी अधिक हुआ है। ऐसी आपदा का सामना करने के अभ्यस्त रहे हिमाचल के लोगों को भी इतने व्यापक स्तर पर होने वाले नुकसान की आशंका नहीं थी। विडंबना यह है कि पूर्व अनुभवों के आधार पर बचाव के इंतजाम इस बार नाकाफी साबित हुए।

दरअसल, मौसम की अपनी गति होती है और उसमें होने वाले तेज बदलाव को लेकर कोई निश्चित अनुमान नहीं लगाया जा सकता। बरसात को लेकर चेतावनी तो दी जाती रही है, लेकिन उसकी तीव्रता कब बहुत ज्यादा हो जाएगी, यह मौसम के रुख पर निर्भर करता है। आमतौर पर बरसात तबाही की वजह तभी बनती है, जब पानी के निकलने का रास्ता बाधित होता है। पहाड़ तब खतरनाक होते हैं, जब उनकी जड़ों के साथ गैरजरूरी छेड़छाड़ होती है। यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ दशकों से पहाड़ी राज्यों में एक ओर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल या अन्य निर्माण कार्य व्यापक पैमाने पर हुए हैं और इस क्रम में पहाड़ी नदियों के प्रवाह या उनके सहज रास्तों को लेकर बेहद लापरवाही बरती गई। दूसरी ओर, आवाजाही को सुगम बनाने के नाम पर पहाड़ों को काट कर सड़कों को चौड़ा करने की योजनाओं ने भूस्खलन के खतरों को कई गुना बढ़ा दिया है। सवाल है कि ऐसी योजनाएं बनाते समय ही आकलन क्यों नहीं किया जाता कि इस सबका अंजाम क्या होगा? आपदा के बाद तबाही का सामना करना ही आखिरी विकल्प बच जाता है। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उससे बचाव के इंतजाम करने और नुकसानों को कम करने की कोशिश की जा सकती है।

राजनीति

क्या सुलझ जाएगी चाचा-भतीजे की लड़ाई? शरद और अजित पवार के बीच एक घंटे तक चली

एनसीपी में हुई दो फाड़ के बाद शरद पवार और अजित पवार के बीच एक और बड़ी मुलाकात हो गई है। बताया जा रहा है कि पुणे में दोनों के बीच में ये मीटिंग हुई है, क्या चर्चा हुई, अभी तक साफ नही
एनसीपी में हुई दो फाड़ के बाद शरद पवार और अजित पवार के बीच एक और बड़ी मुलाकात हो गई

है। बताया जा रहा है कि पुणे में दोनों के बीच में ये मीटिंग हुई है, क्या चर्चा हुई, अभी तक साफ नहीं, लेकिन अचानक फिर दोनों चाचा-भतीजे का मिलना राजनीतिक गलियारों में अटकलों को जोर दे गया है।

क्या बातचीत हुई?

जानकारी मिली है कि पुणे के बिजनेसमैन अतुल चोरडिया के बंगले पर दोनों नेताओं के बीच ये सीक्रेट मीटिंग हुई। असल में अजित पुणे में ही एक पुल का उद्घाटन करने आए थे, वहीं पर शरद पवार भी किसी दूसरे काम से मौजूद रहे। इसके बाद दोनों ही नेता बिजनेसमैन अतुल चोरडिया के बंगले पर मिले। खबर है कि अजित के साथ उनके गुट के कुछ दूसरे साथी भी मौजूद रहे। क्या चर्चा हुई, स्पष्ट नहीं, लेकिन इसके सियासी मायने बड़े माने जा रहे हैं।

बड़ी बात ये है कि भी इससे पहले भी चाचा-भतीजे के बीच में ऐसे ही मुलाकात हो चुकी है। कई मौकों पर एनसीपी प्रमुख को मनाने की कोशिश देखी गई है। उसी कड़ी में हुई अब ये मुलाकात भी अजित के एक प्रयास के रूप में देखी जा रही है। लेकिन इन प्रयासों के बीच शरद पवार ने अपने सियासी पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं। वे भतीजे के साथ चले जाएंगे या फिर अपनी पार्टी के लिए एक नई लड़ाई लड़ेंगे, ये साफ नहीं है।

मनाने की कोशिश क्यों?

यहां ये समझना जरूरी है कि एनसीपी में दो फाड़ करना एक बड़ा कदम था। जिस पार्टी को शरद पवार ने अपने खून और पसीने से सीचा था, एक झटके में अजित ने बड़ा खेल कर दिया। उस खेल की वजह से ही शरद के कई करीबी माने जाने वाले नेता भी अजित के साथ चले गए और फिर शिंदे सरकार में भी मंत्री भी बना दिए गए। दूसरी तरफ शिवसेना की तरह यहां भी चुनाव चिन्ह और पार्टी पर अधिकार को लेकर अलग लड़ाई छिड़ गई। इस बीच अजित का लगातार चाचा शरद पवार को मनाना बता रहा है कि चुनावी मौसम में इंडिया गठबंधन को बड़ा सियासी झटका देने की तैयारी की जा रही है।

पकड़ी गई चोरी की महिला आरोपी

जीआरपी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई सोने की चेन व मंगलसूत्र जब्त किए ।

इंदौर = ट्रेन में यात्रा के दौरान सो रही महिला के गले से सोने की चेन व मंगलसूत्र उड़ाने वाले दो आरोपियों को जीआरपी थाना रतलाम ने बंदी बनाया है। उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन व मंगलसूत्र बरामद कर लिए गए हैं।

जीआरपी एसपी निवेदिता गुप्ता ने बताया कि बीती 27 जून को फरियादी महिला वीरभूमि एक्सप्रेस में मावली से देवास की यात्रा कर रही थी। ट्रेन रतलाम स्टेशन पहुंची तब फरियादी यात्री महिला सो रही थी। उसी का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश महिला के गले से दो तोले की सोने की चेन और डेढ़ तोले वजनी सोने का मंगलसूत्र तोड़कर लूट ले गए।

महिला यात्री की रिपोर्ट पर जीआरपी थाना रतलाम में अपराध क्रमांक 233/23 आईपीसी की धारा 392 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जीआरपी रतलाम की साइबर सेल ने रतलाम स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए संदिग्ध आरोपियों की पहचान की और उनकी तलाश करते हुए उन्हें धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों के नाम राहुल उर्फ छोटू पिता बहादुरसिंह चौहान उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम लूनी, थाना ताल जिला रतलाम और कमल सिंह पिता गजराज सिंह चौहान उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम लूनी थाना ताल जिला रतलाम होना बताए गए। उनके कब्जे से फरियादी महिला की लूटी गई सोने की चेन और मंगलसूत्र कुल कीमत 85 हजार रुपए का जब्त किया गया। आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

भाजयुमो की तिरंगा यात्रा पर पेट्रोल बम फेंका

दरगाह चौराहा पर पथराव हुआ

इंदौर 17 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा निकल गई तिरंगा यात्रा पर पेट्रोल बम फेंका गया। घटना धार रोड स्थित केला माता मंदिर के पास की है। इसके बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता छतरीपुरा थाने पहुंचे। पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर मौके पर भेजी जहां के फुटेज देखने पर तीन युवक बाइक और भागते हुए नजर आए।

छतरीपुरा टीआई कपिल शर्मा के मुताबिक भाजयुमो नेता शुभम सिरोहिया निवासी रविदास पूरा अपने साथियों के साथ तिरंगा यात्रा निकाल रहे थे। यहां यात्रा लालबाग से शुरू होकर 12 भाई कागदीपुरा से होते हुए सिलावट पूरा से केला माता मंदिर होते हुए राजमोहल्ला जाने वाली थी। इसी दौरान अचानक यात्रा में चल रहे डीजे के आगे धुआं निकलने लगा जिस में आग लग गई इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आग बुझाने की कोशिश की जिसमें संग्राम सिंह नामक युवक मामूली जल गया । सूचना के तत्काल बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जहां सीसीटीवी में तीन युवक भागते हुए दिखाई दिए। पुलिस के मुताबिक मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि डीजे पर पेट्रोल पंप फेंका गया पुलिस जांच कर रही है।

भाजयुमो से जुड़े शुभम ने बताया कि यात्रा जब दरगाह चौराहे के यहां थी तो उस पर पथराव हुआ। पुलिस पूरी घटना को संदिग्ध मानकर चल रही है।

स्कूटी से जा रही महिला की चेन झपटी

इंदौर 17 अगस्त तिलक नगर में बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी से अपने घर जा रही महिला के गले से सोने की चेन खींची और फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी प्रमिला जैन ने बताया कि वह आनंदवन स्कीम नंबर 140 में रहती है। वह स्कूटी से सब्जी मार्केट तक गई इसके बाद वापस आ रही थी तभी बाइक सवार बदमाश पीछे की तरफ से आए । पीछे बैठे बदमाश ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन लूटकर फरार हो गए उन्होंने गले पर झटका लगने पर स्कूटी रॉकी और हाथ लगाया तो ने वारदात की जानकारी लगी। पुलिस ने लूट का केस दर्ज किया है।

मोबाइल लूट कर भागे बदमाश

कनाडिया क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश युवक से मोबाइल छीन कर फरार हो गए। फरियादी रवि प्रजापत निवासी बिचोली मरदाना ने बताया कि वह ड्यूटी से अपने घर की तरफ जा रहा था। अपने मोबाइल पर बात कर रहा था इसी दौरान सर्विस रोड की तरफ बाइक पर दो बदमाश आए पीछे बैठे युवक ने उनके हाथ पर झपट्टा मारा और मोबाइल छीन कर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है।

चार लाख की लूट का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी ने कराई थी वारदात इंदौर 16 अगस्त 7 दिन पहले किशनगंज थाना क्षेत्र में हुई 4 लाख की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों ने ही योजना बनाकर लूट को अंजाम दिया था।

देहात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश द्विवेदी और डीएसपी दिलीप सिंह चौधरी ने बताया कि 9 अगस्त को फरियादी राकेश राठौर इंदौर बैंक से 4 लाख रुपए निकाल कर बाइक से जा रहा था। बैग में पैसे रखे थे और उसे बाइक के हैंडल पर टांग रखा था। राकेश राठौर को राहु के पास एबी रोड पर दो बाइक सवार बदमाशों ने उसके सिर पर डंडा मारकर घायल कर दिया और बैग लेकर फरार हो गए जिसमें 4 लाख रुपए रखे हुए थे । किशनगंज पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया था।

मुखबिर से सूचना मिली की लूट की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी प्रदीप सिमरोल से पत्थर नाला की तरफ बाइक से आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर प्रदीप को पकड़ा और शक्ति से पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने अपने साथियों लूट की वारदात करना कबूल किया। पूछताछ में आरोपी सानू पिता चंद्रशेखर 23 साल पुष्कर पिता हेमराज कौशल 34 साल और प्रदीप उर्फ गज्जू पिता प्रेम कौशल को गिरफ्तार किया है। इस मामले में निखिल नीम और गन्नू पांडे फरार है जिनकी तलाश की जा रही है । टीआई कुलदीप खत्री के मुताबिक राकेश राठौर और प्रदीप कौशल दोनों प्रॉपर्टी के ऑफिस में एक साथ काम करते हैं। राकेश हमेशा इंदौर बैंक से पैसे निकालने जाता है इस बात का पता पुष्कर कौशल को था तभी पुष्कर ने अपने साथियों को मामले की जानकारी दी और घटना को अंजाम दिया।

छोटे भाई की मौत पर शामिल होने गए तो चोरी, ले गए लाखों का माल

इंदौर । लसूडिया क्षेत्र में चोरी की वारदात हुई। यहां परिवार गामी में गए थे तभी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी हेमंत वर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह राजीव आवास बिहार में रहते हैं उनके चचेरे भाई राजेश वर्मा फिजिक्स टाउनशिप में रहते हैं। उनके छोटे भाई की आक मत मौत होने के बाद परिवार के साथ राजेश शाहजहांपुर गए हैं तभी उनके घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया । कर उनके घर से लाखों रुपए की जेवरों नगर लेकर फरार हो गए । मामले में डायल 100 को सूचना दी जिसके बाद रिपोर्ट दर्ज कराई। राजेश वर्मा के परिवार के आने के बाद चोरी गए माल की जानकारी मिलेगी। इसी प्रकार क्षेत्र में रहने वाले जतिन दुबे के घर पर भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। फरियादी जतिन दुबे के मुताबिक चोर 3 लाख का माल चुरा कर ले गए ।

दो दुकानों को निशाना बनाया

त्रिवेणी कॉलोनी में रहने वाले मनोज राजानी की जिन इंदौर क्षेत्र में स्थित इलेक्ट्रिक दुकान का ताला तोड़कर चोर 2 लाख से अधिक का सामान और नगदी चुरा कर ले गए । इसी प्रकार फरियादी अभिषेक शर्मा निवासी एरोड्रम की कालानी नगर में स्थित जनरल स्टोर्स दुकान में चोरी की घटना हुई। चोर एक लाख से अधिक का सामान चुरा कर ले गए ।

नौकरी छूटने के तनाव में महिला ने किया सुसाइड

इंदौर 16 अगस्त बाणगंगा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने नौकरी छूटने के मानसिक तनाव के चलते सुसाइड कर लिया। बेटी ने मां की तबीयत बिगड़ते देखी तो परिवार के लोगों को जानकारी दी जिसके बाद परिजनों से बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का का नाम पार्वती पति सुरेश 35 साल निवासी बजरंग नगर है। पुलिस के मुताबिक पार्वती की अचानक तबियत बिगड़ने लगी थी यहां देख बेटी प्रियंका ने अपनी मौसी के बेटे को कॉल कर घर बुलाया । दोनों ने अस्पताल लेकर पहुंचे थे इस दौरान पति सुरेश पास ही अपने रिश्तेदारों से मिलने पहुंचे थे।

रिश्तेदार अजय ने बताया कि पार्वती और सुरेश सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में एक आईटी कंपनी में हाउसकीपिंग की नौकरी करते थे। 1 महीने पहले दोनों की नौकरी छूट गई थी। इसके बाद दोनों घर पर ही रहते थे। उनकी दो बेटियां हैं। संभवत: इसी के चलते पार्वती को तनाव था। उसने जहर खा लिया था। बाणगंगा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ की अभद्र टिप्पणी, केस दर्ज

इंदौर 16 अगस्त बाणगंगा पुलिस ने सोशल मीडिया पर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी कमल किशोर सोलंकी निवासी नंदबाग कॉलोनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि आरोपी संतोष कल्याण में 13 अगस्त की रात्रि 11:31 बजे फेसबुक पर सुश्री मायावती के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी संतोष कल्याण के खिलाफ धारा 509 का प्रकरण दर्ज किया है।

नाग पंचमी कब मनाई जाएगी? जानें तारीख, पूजन विधि और इस दिन का महत्व

नागपंचमी के दिन नागों की पूजा करने का विधान है. नागपंचमी के दिन घर के द्वार पर नागों की आकृति बनाई जाती है. मान्यता है कि इससे नाग देवता की कृपा बनी रहती है.

नाग पंचमी का त्यौहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं. इस दिन नागों की पूजा की जाती है. इस दिन लोग व्रत भी रखते हैं. नाग पंचमी का व्रत करने और व्रत कथा पढ़ने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है. इस व्रत के देव आठ नाग माने गए हैं. इस दिन में अनन्त, वासुकि, पद्म, महापद्म, तक्षक, कुलीर, कर्कट और शंख नामक अष्टनागों की पूजा की जाती है. इस बार नाग पंचमी 21 अगस्त, सोमवार के दिन मनाई जाएगी.

नाग पंचमी शुभ मुहूर्त

नाग पंचमी की तिथि का समापन 22 अगस्त 2023, मंगलवार को रात 2ः00 बजे होगा.नाग पंचमी पूजा मुहूर्त- सुबह 5ः53 मिनट से सुबह 8ः30 बजे तक.

नाग पंचमी की पूजन विधि

पंचमी से एक दिन पहले यानी चतुर्थी के दिन एक बार भोजन करें. पंचमी के दिन उपवास रखें. इस दिन शाम के समय भोजन करना चाहिए. पूजा करने के लिए नाग चित्र या मिट्टी की सर्प मूर्ति को लकड़ी की चौकी पर स्थापित करें. अब इस पर हल्दी, रोली, चावल और फूल चढ़कर नाग देवता की पूजा करें. सर्प देवता को कच्चा दूध, घी और चीनी मिलाकर अर्पित करें. पूजन करने के बाद सर्प देवता की आरती उतारें. अंत में नाग पंचमी की कथा अवश्य सुनें.

नाग पंचमी का महत्व

हिन्दू धर्म में सर्पों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है. इसलिए नाग पंचमी के दिन नाग पूजन का अत्यधिक महत्व है. माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने वाले व्यक्ति को सांप के डसने का भय नहीं होता. इस दिन सर्पों को दूध से स्नान, पूजन और दूध से पिलाने से अक्षय-पुण्य की प्राप्ति होती है. इस दिन घर के प्रवेश द्वार पर नाग चित्र बनाने की भी परम्परा है. मान्यता है कि इससे घर नाग-कृपा से सुरक्षित रहता है.

कौन हैं शेषनाग, जिन्होंने अपने फन पर उठा रखा है धरती का बोझ

शेषनाग भगवान विष्णु के सेवक माने जाते हैं. कई चित्रों में भगवान विष्णु को शेषनाग पर लेटे देखा जाता है. वह माता कद्रू के प्रथम और सबसे पराक्रमी पुत्र हैं. कश्मीर का अनंतनाग जिला इनका गढ़ माना जाता है।

हिंदू धर्म में सर्प पूजनीय माने गए हैं. इनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती है. नागों को समर्पित नाग पंचमी का त्योहार भी काफी धूमधाम से मनाया जाता है. इस साल ये त्योहार 21 अगस्त को पड़ रहा है. इस दिन नागों की पूजा का विधान है. नाग पंचमी हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को पड़ती है. इस दिन कई लोग व्रत भी रखते हैं. नाग पंचमी के दिन अष्टनागों की पूजा की जाती है. इन अष्टनागों में अनंत नाग, वासुकी नाग, पद्म नाग, महापद्म नाग, तक्षक नाग, कुलीर नाग, कर्कट नाग, शंख नाग, कालिया नाग और पिंगल नाग।

इन अष्टनागों में सबसे महत्वपूर्ण हैं, अनंत नाग जो शेषनाग के नाम से जाने जाते हैं. माना जाता है कि इनके हजार मस्तक होने के चलते इन्हें अनंत नाम से भी जाना जाता है. इनके बारे में ये भी कहा जाता है कि इन्होंने धरती के बोझ को अपने फन पर उठाया हुआ है. आइए आज जानते हैं कौन हैं शेषनाग और क्यों है ये सब नागों में सबसे महत्वपूर्ण-

देवी कद्रू से हुई नागों की उत्पत्ति

हिंदू धर्म में शेषनाग को लेकर कई मान्यता हैं. धर्मगंथों में कहीं उनके भगवान विष्णु की शैय्या बनने का वर्णन है तो कहीं उनके साथ अवतार लेने का. इन सारी बातों को शुरुआत से समझते हैं. ब्रह्मा जी के मानस पुत्र प्रजापति कश्यप की दो पत्नियां थीं, कद्रू और विनिता. कद्रू से नागों की उत्पत्ति हुई और विनिता से पक्षियों की. माना जाता है कि देवी कद्रू ने एक हजार नागों को पुत्र के रूप में पाने की कामना की थी. इनमें उन्होंने सबसे पहले जिस पुत्र को जन्म दिया, उन्हीं का नाम शेषनाग है. शेषनाग देवी कद्रू के सबसे बड़े और सबसे पराक्रमी पुत्र हैं. कश्मीर का अनंतनाग जिला इनका गढ़ माना जाता है. हजार नागों को जन्म देने के कारण देवी कद्रू को नागा माता के नाम से भी जाना जाता है.

ब्रह्मा जी ने बनाया पाताल लोक का राजा

धर्मग्रंथों के मुताबिक शेषनाग की माता कद्रू ने उनकी सौतेली मां विनिता से ईर्ष्या के चलते छल किया था. इससे शेषनाग को काफी दुख पहुंचा और वहसं सार से विरक्त हो गए जिसके बाद उन्होंने गंधमादन पर्वत पर तपस्या करने का फैसला किया. उनकी तपस्या से ब्रह्मा जी इतने प्रसन्न हुए कि उन्हें पाताल लोक का राजा बना दिया. हालांकि बाद में उन्होंने भगवान विष्णु का सेवक बनने का निर्णय लिया जिसके बाद पृथ्वी के नीचे यानी जललोक में चले गए. उनके बाद उनके छोटे भाई वसुकी को पाताल लोक का राजा बना दिया गया. इसी तरह सिलसिला आगे बढ़ता रहा और वसुकी के बाद तक्षक और पिंगला पाताल लोक के राजा बने. कालांतर में क्षीरसागर में पहुंचने के बाद शेषनाग ने भगवान विष्णु को शेय्या बनकर सेवा दी. आज भी शेषनाग को भगवान विष्णु के सेवक के रूप में जाना जाता है. चित्रों में भी भगवान विष्णु शेषनाग पर लेटे नजर आते हैं.

भगवान विष्णु के साथ लिए कई अवतार

मान्यता है कि शेषनाग ने भगवान विष्णु के साथ कई अवतार भी लिए. त्रेतायुग में जहां वह राम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में अवतारित हुए तो वहीं द्वापर युग में श्रीकृष्ण के भाई बलराम बने. धरती के बोझ को अपने फन पर लेने को लेकर भी कई मान्यताएं हैं. एक मान्यता ये है कि एक बार भगवान विष्णु ने शेषनाग से कहा कि पृथ्वी हमेशा हिलती रहती है. ऐसे में इसे अपने फन पर कुथ ऐसे धारण कर लो कि ये स्थिर हो जाए. मान्यता है कि तभी से शेषनाग पृथ्वी के बोझ को अपने फन पर उठाए हुए हैं.

एक पौराणिक कथा के मुताबिक गमधमादन पर्वत पर शेषनाग की तपस्या से ब्रह्माजी काफी प्रसन्न हुए थे और वरदान दिया था कि उनकी बुद्धि स्थिर रहेगी. इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा था कि धरती हमेशा हिलती रही है, ऐसे में इसे अपने फन पर धारण कर लो.

भारतीय कपड़े, जिन पर हमें गर्व है और दुनियाभर में दीवानापन

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो भारतीय कपड़ों के प्रति लगाव रखते हैं। यहां तक कि लग्जरी ब्रैंड्स तक इनके पैटर्न कॉपी कर अलग नाम से बेचते हैं। समय के साथ इनके रूप में कितना ही बदलाव क्यों न आ गया हो, लेकिन हमारी संस्कृति के साथ इनका जुड़ाव हमेशा बरकरार रहने वाला है।

भारतीय कपड़ों की बात ही कुछ अलग है। हमारे देश में इतने रंग और कढ़ाई के कपड़े मिलते हैं कि इसका दुनियाभर में मुकाबला कर पाना मुश्किल है। जिस प्रदेश में जाएं, वहां आपको पहनावे की कोई ऐसी खास चीज देखने को मिल जाएगी, जो किसी भी अन्य राज्य के कपड़ों से अलग होगी। हालांकि, कुछ चीजें हैं, जो लगभग सभी प्रदेशों में एक समान हैं। ये ऐसे कपड़े हैं, जिन्हें अरबपति अंबानी से लेकर हमारे देश के हर वर्ग के लोग पहने दिखते हैं। इन पारंपरिक परिधानों के लिए दीवानगी पूरी दुनिया में है, तभी तो विदेशी फिल्मों व सीरियल्स तक में किरदार इन्हें पहने नजर आते रहते हैं।

चाहे छोटी सी बच्ची हो या फिर 80 साल की दादी मां, सभी को आपने इस परिधान में जरूर देखा होगा। 2800ङ्क1800 बीसीई से चलन में आने वाला ये कपड़ा सदियों बाद भी हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग बना हुआ है।

आमतौर पर 5 से 9 मीटर तक लंबाई वाले इस ड्रेप को ब्लाउज और पेटीकोट के साथ पहना जाता है। साड़ी को कई तरह के कपड़ों से बनाया जाता है और इस पर विभिन्न तरह की कढ़ाई या प्रिंट भी देखने को मिलता है।

समय के साथ ब्लाउज और पेटीकोट की बनावट में भी अंतर आया है, जिसने मॉर्डन जनरेशन के बीच भी साड़ी के लिए प्यार को बरकरार रखा है। सलवार-कमीज, जिसे अब आमतौर पर बस सूट कहकर बुलाया जाता है, भारतीय महिलाओं के बीच पहने जाने वाला सबसे पॉप्युलर अटायर है। सबसे पहले मुगलकाल में ये देश में आया और उसके बाद विविध रूप लेते हुए धीरे-धीरे सभी लोगों के लिए आम पहनावा बनता गया। आज की तारीख में इसके भी कई डिजाइन देखने को मिलते हैं, जो पारंपरिक परिधान को भी ट्रेंडी बनाए रखते हैं।

Farm House wala.com
BUY FARMHOUSE
AT INDORE-
KHANDWA ROAD
PRICE
351/-
SQFT
Platinum Package
10*20 swimming pool
Plantation
RCC Boundari
landscaping
Fountain
800 Sqft 2 BHK
BOOK NOW
Visit Our Website
farmhousewalaa.com
Contact Us
8889066688

SATGURU NAGAR
RESIDENTIAL
PLOTS FOR SALE
PRICE STAR FROM 1111/- SQFT
SPECIAL OFFER
Sale of Plots
TERMS & CONDITION APPLY
• Registry Free
• 100 Plants
• Smart Watch
• 42 inch. LED TV
• Scooty
Indore - Khandwa Road
8889066688

आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए प्लेइंग-XI का ऐलान! टीम इंडिया में मिला जितेश को डेब्यू, बुमराह करेंगे कप्तानी

वेस्टइंडीज से 5 टी 20 मैचों की सीरीज 3-2 से हारने के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम की अगली सीरीज आयरलैंड के साथ है. जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम इंडिया आयरलैंड पहुँच चुकी है. वेस्टइंडीज की तरह ही आयरलैंड सीरीज भी भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहने वाली है. पहला मुकाबला 18 अगस्त को खेला जाना है. आईए देखते हैं कि पहले टी 20 में टीम इंडिया की प्लेइंग XI कैसी हो सकती है.

ओपनिंग करेंगे ये बल्लेबाज

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी 20 मैच में टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत ऋतुराज गायकवाड़ और यशस्वी जायसवाल करेंगे. ये दोनों ही खिलाड़ी IPL 2023 में बेहतरीन फॉर्म में रहे थे. यशस्वी जायसवाल ने हाल में संपन्न वेस्टइंडीज सीरीज में टेस्ट और टी 20 में भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दी थी इसलिए इन दोनों आक्रामक बल्लेबाजों से भारतीय टीम को बेहतर शुरुआत की उम्मीद रहेगी.

मिडिल ऑर्डर में इन बल्लेबाजों को मौका

पहले टी 20 में टीम इंडिया के मध्यक्रम को संभालने की जिम्मेदारी तिलक वर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन पर होगी. बतौर विकेटीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को टीम में शामिल किया जा सकता है. वहीं वाशिंगटन सुंदर को बतौर ऑलराउंडर प्लेइंग ङ्ढ में जगह मिल सकती है.

बुमराह इन गेंदबाजो को दे सकते हैं मौका

प्लेइंग ङ्ढ में कप्तान जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप सिंह और मुकेश कुमार को मौका मिल सकता है. मुकेश कुमार का वेस्टइंडीज दौरे पर अच्छा प्रदर्शन रहा था. इस वजह से उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह मिल सकती है. वहीं स्पिनर के रुप में रवि विश्नोई को मौका दिया जा सकता है.

पहले टी 20 के लिए टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग ङ्ढ

ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दूबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवि विश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार.

आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान

'गदर 2' ने रचा इतिहास, 15 अगस्त के दिन पार किया 200 करोड़ का आंकड़ा

अमीषा पटेल और सनी देओल की फिल्म ने महज पांच दिनों में 200 से अधिक का बिजनेस कर लिया है। फिल्म को 15 अगस्त की छुट्टी का भी फायदा मिला है।

सनी देओल और अमीषा पटेली की फिल्म 'गदर 2' ने 22 सालों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। ये फिल्म 11 अगस्त को रिलीज हुई थी और महज 5 दिनों में फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया है। Gadar 2 को 15 अगस्त का भी फायदा मिला है। छुट्टी होने के कारण भारी मात्रा में लोग इस फिल्म को देखने पहुंचे और इस एक दिन में फिल्म ने 55.5 करोड़ का कलेक्शन किया।

5 दिनों का कुल कलेक्शन

फिल्म ने इन पांच दिनों में 229.08 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन कर लिया है। सबसे अधिक कमाई फिल्म ने 15 अगस्त को की है। जल्द ही फिल्म 250 करोड़ के आंकड़े को भी पार कर देगी। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 40.01 करोड़ कमाये थे। दूसरे दिन सनी देओल की 'गदर 2' ने 43.08 करोड़, तीसरे दिन 51.7 करोड़, चौथे दिन 38.7 करोड़ और पांचवे दिन 55.5 करोड़ का कलेक्शन किया है। जो पांचों दिनों में सबसे अधिक है।

सनी देओल और अमीषा पटेल ने अपनी फिल्म की रिलीज से पहले देशभर में प्रमोशन किया। 'गदर 2' 1971 के भारत-पाक वॉर पर आधारित है। इस पार्ट में तारा सिंह (सनी देओल) और सकीना (अमीषा पटेल) एक खुशहाल शादी दिखाई गई है। जिनका बेटा चरण जीत सिंह (उत्कर्ष शर्मा द्वारा अभिनीत, जिसने 2001 की गदर में भी बच्चे की भूमिका निभाई थी) अब बड़ा हो गया है। किसी कारण चरण जीत पाकिस्तान पहुंच जाता है, जहां उसे प्रताड़ित किया जाता है। उसे बचाने एक बार फिर तारा पाकिस्तान जाता है, जहां शुरू होती है गदर।

एडवांस बुकिंग के मामले में भी फिल्म ने रिकॉर्ड कायम किया है। ये फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इसके अलावा इंडस्ट्री के लोग भी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं।

सलमान खान ने भी इंस्टाग्राम पर Gadar 2 की टीम को बधाई दी है। उन्होंने लिखा ढाई किलो का हाथ, 40 करोड़ की ओपनिंग के बराबर। सनी पाजी धमाल मचा रहे हैं। 'गदर 2' की पूरी टीम को बधाई। इसके अलावा कार्तिक आर्यन भी इस फिल्म को देखने थिएटर पहुंचे थे।

देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से सराबोर हुआ बुधनी नगर

हर घर तिरंगा यात्रा के दौरान तिरंगामय हुआ बुधनी

बुधनी मेडिकल कॉलेज सहित भेरूंदा-बुधनी-रेहटी राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ब्रिज का भूमि-पूजन

प्रतिभाशाली बेटे और बेटियों को 23 अगस्त को मिलेगी ई-स्कूटी

रसोइयों का मानदेय दोगुना होगा

जल्दी ही अतिथि शिक्षकों की पंचायत बुलाई जाएगी

आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा अभियान में बुधनी में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज ही बुधनी में एक अन्य कार्यक्रम में विकास पर्व के तहत 714 करोड़ 91 लाख की लागत वाले 500 बिस्तर के मेडिकल कॉलेज, 284 करोड़ 16 लाख लागत के बुधनी-भेरूंदा-रेहटी राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और रेलवे अंडर ब्रिज 8 करोड़ 15 लाख का भूमि-पूजन करने के बाद एक बड़ी जनसभा में संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ श्रीमती साधना सिंह, श्री कार्तिकेय चौहान तथा सांसद श्री रमाकांत भार्गव और स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

100 से अधिक मंचों से किया गया मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत

उमंग और उत्साह के साथ निकाली गई बुधनी में भव्य तिरंगा यात्रा

तथा जन-प्रतिनिधि हाथों में तिरंगा लेकर और भारत माता की जय तथा वंदे-मातरम का उद्घोष करते हुए शामिल हुए। नगरवासियों ने पूरे रास्ते पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिनंदन किया। यात्रा के लिए स्वागत मंचों को फूलों, स्वागत द्वारों और तिरंगे के रंग में रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भी नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनका अभिवादन किया।

तिरंगा यात्रा पर विद्यार्थियों ने की बात

मुख्यमंत्री ने आज तिरंगा यात्रा के साथ सभा में आए विद्यार्थियो से खूब बात की। उन्होंने कहा कि बेटे-बेटियो आप खूब मन लगाकर पढाई करिए, आगे बढ़ों, आपके लिए मेधावी विद्यार्थी योजना तो है ही जिससे आपकी उच्च शिक्षा की पढ़ाई की फीस आपका मामा भरेगा। उन्होंने कहा कि सीखो-कमाओ योजना भी आपके लिए है, स्व-रोजगार के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना भी है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी में भर्ती जारी है और यह आगे भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिंदी में होगी।

तिरंगा यात्रा में इसके पहले बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों, महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने घरों की छत और बालकनी से पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिनंदन किया। चारों ओर ये देश है वीर जवानों का ऐ वतन-वतन मेरे आजाद रहे तू,मेरे देश की धरती,ये देश है वीर जवानों का जैसे देशभक्ति गीतों की गूंज सुनाई दे रही थी। अनेक मंचों पर विद्यार्थियों ने अमर शहीदों की वेशभूषा धारण कर वीर शहीदों की याद दिलाई।

लोकनृत्य तथा गायन की मनमोहक प्रस्तुति

तिरंगा यात्रा में लोक कलाकारों द्वारा आकर्षक वेशभूषा में पारंपरिक लोक नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। भजन मण्डलियों ने भजन भी प्रस्तुत किये। अनुसूचित जनजाति वर्गों के नागरिकों द्वारा अपनी पारंपरिक वेशभूषा में मंच पर उपस्थित होकर मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिनंदन किया गया।

100 से अधिक मंचों से हुआ मुख्यमंत्री का स्वागत

यात्रा के दौरान बुधनी जनपद की अनेक ग्राम पंचायतों ने 100 से अधिक मंचों से मुख्यमंत्री श्री चौहान का आत्मीय स्वागत किया। अनेक मंचों से लाड़ली बहना योजना, बुधनी मेडिकल कॉलेज सहित अन्य सौगाते देने के लिए हाथों में तख्ती लेकर नागरिकों ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। इस दौरान अनेक धार्मिक संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा संगठनों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। स्वच्छताग्राहियों ने भी मंच से मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिनंदन किया।

वीर शहीदों की वेशभूषा में दिखे छात्र-छात्रा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मंच से चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुखदेव, सुभाष चन्द्र बोस, राजगुरू सहित देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले विभिन्न क्रांतिकारियों की वेशभूषा में नागरिकों को वीर शहीदों की याद दिलाई। इसके साथ ही अन्य मंच से छात्र-छात्राओं ने डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, वकील तथा शिक्षक के परिधानों में उपस्थित रहकर बुधनी में हो रहे विकास से सभी को अवगत कराया।

मेडिकल कॉलेज और अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मेडिकल कॉलेज और अन्य विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम में जन-सभा में कहा कि पूरे प्रदेश में प्रगति और विकास की क्रांति हो रही है जिससे मध्यप्रदेश देश में विकास की अग्रिम पंक्ति में शुमार हो गया है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को मेडिकल कॉलेज के भूमि-पूजन सहित लगभग एक हजार करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात दी। सांसद श्री रमाकांत भार्गव और पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभा में घोषणा की कि स्कूल में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइयों का मानदेय दोगुना कर 4 हजार कर दिया जाएगा और जल्दी ही अतिथि शिक्षकों की पंचायत बुलाकर उनकी भी जायज मांगों को हल किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे 17 अगस्त को 5वीं से छठवीं में पढ़ने जाने वाली बेटियों और 8वीं से नवमी कक्षा में दूर पढ़ने जाने वाले बेटे-बेटियों के खातों में साइकिल खरीदने के लिए साढ़े 4 हजार रूपये की राशि डालेंगे। उन्होंने बताया कि 23 तारीख को भी अपने हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं में टॉप आने वाले एक-एक छात्र और छात्रा को स्कूटी की सौगात भी देंगे।

सरकार नहीं परिवार चलाते हैं

मुख्यमंत्री ने सभा में आई अपनी लाड़ली बहनों से कहा कि उनसे पहले कभी किसी सरकार ने बहनों के खाते में एक रुपया देने की नहीं सोची, अब मैंने सीधे एक-एक हजार रुपए अपनी बहनों के खाते में डालने का साहस किया है। वे 27 तारीख को बहनों से जुड़कर राखी बंधवाएंगे। बहनों चिंता मत करना मैं 250 रुपए के मान से राशि बढ़ाकर 3000 रुपए करूंगा। मैं आपके चेहरे पर खुशियाँ लाऊंगा और सरकार की नीतियों से आपके दुख-तकलीफ को दूर करूँगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जोर देते हुए कहा कि वे सरकार नहीं आप सबके साथ मिलकर परिवार चलाते है। एक तरफ विकास और दूसरी तरफ हर व्यक्ति तक जन-कल्याण, यही सरकार का मूल मंत्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने विकास का कोई काम नहीं किया है। उनकी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, मार्गों का जाल बिछाकर प्रदेश का विकास किया है। बुधनी आज विकास की नई इबारत लिख रहा है और यहाँ के हर गाँव और खेत में पानी पहुँचाया जाएगा।

नर्सिंग कॉलेज भी बनेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज का दिन बुधनी के साथ ही नर्मदापुरम के लिए अभूतपूर्व और ऐतिहासिक है। मेडिकल कॉलेज बुधनी से ज्यादा नर्मदापुरम संभाग के लिए सर्वाधिक फायदेमंद होगा। कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज भी होगा। उन्होंने बुधनी-रेहटी-भेरूंदा राष्ट्रीय राजमार्ग को भोपाल के साथ नर्मदापुरम संभाग को भी विकास के लिए उपयोगी बताया।

किसान-कल्याण निधि बढ़ाकर 6 हजार की

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उन्होंने भी किसान-कल्याण निधि 2 हजार रूपये बढ़ाकर छह हजार रूपये कर दी है और अब किसानों को 6 हजार प्रधानमंत्री सम्मान निधि को मिलाकर सालाना 12 हजार रुपये मिलेंगे।

नागरिकों को दिलाई शपथ

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को अपने घर, गाँव ब्लाक, तहसील, जिला, प्रदेश और देश को आत्म-निर्भर तथा सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री के 5 संकल्पों की शपथ दिलाई और विकास में सबकी सहभागिता का आहवान किया।

इस अवसर पर नर्मदापुरम सांसद श्री राव उदय प्रताप सिंह, विधायक सर्वश्री सीतासरण, करण सिंह वर्मा, सुदेश राय, प्रेमशंकर वर्मा, विजय पाल सिंह और ठाकुर दास नागवशी, अनुसूचित जनजाति निगम की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला, सलकनपुर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय भी उपस्थित थे।

BJP 230 बाहरी विधायकों की रिपोर्ट से तय करेगी उम्मीदवार

MP में UP, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात के विधायक तैयार करेंगे पैनल; सभी सीटों पर 20 से सर्वे

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 230 विधायकों की लिस्ट तैयार कर ली है। ये विधायक उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और महाराष्ट्र के हैं, जो अपने क्षेत्र में चुनावी जीत की रणनीति में माहिर माने जाते हैं। हर एक विधायक को मप्र की एक सीट का जिम्मा दिया गया है। ये विधायक हर विधानसभा सीट से दावेदारों का पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट सौपेंगे।

इनकी रिपोर्ट के आधार पर न केवल टिकट तय होगा, बल्कि यह भी तय होगा कि उस विधानसभा क्षेत्र में चुनाव कैसे लड़ना है। पार्टी ने फिलहाल विधायकों की इस वर्किंग को गोपनीय रखा है। इसमें यह भी जिक्र है कि कौन किस विधानसभा क्षेत्र में डेरा डालेगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मप्र में चुनाव की पूरी रणनीति गृहमंत्री अमित शाह की देखरेख में ही बन रही है। उसी के मुताबिक काम हो रहा है। दूसरे राज्यों के विधायकों से इस तरह वर्किंग कराना भी उसी का हिस्सा है। ये विशेषज्ञ विधायक हर विधानसभा में पहुंचकर हार-जीत की संभावना को खंगालकर पार्टी को बताएंगे कि उसे क्या करना है और क्या नहीं।

शक्ति की अभिव्यक्ति ही प्रेम की अभिव्यक्ति

जन्मदिन पूजा के अवसर पर संदेश अभी-अभी मैंने इन्हें भारतीय सहयोगियों को बताया कि वह अहम चलित पाश्चात्य समाज की शैली की नकल करने का प्रयत्न करें क्योंकि उसमें यह लोग कठोर शब्द प्रयोग करते हैं और ऐसा करके हम सोचते हैं कि हम आधुनिक हो गए हैं वह ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करते हैं मैं क्या परवाह करता हू ऐसे सभी वाक्य जो हमने कभी प्रयोग नहीं किए ऐसे वाक्यों से हम परिचित नहीं हैं किसी से भी ऐसे वाक्य कहना अभद्रता है उपयोग नहीं करते हैं जो उन्हें सामान्य में बनाए श्रेष्ठ मानव सुधार यदि आवश्यकता हो तो हम इस प्रकार सुधार किया करते थे दूसरी विधि ठीक नहीं है क्योंकि इससे सुधार नहीं होता देखिए दूसरे तरीके से आप अपने बच्चों को नियंत्रित नहीं कर सकते हर समय आप उन्हें डांटते रहते हैं अपमानित करते रहते हैं अन्य लोगों को अपमानित करते रहते हैं अपमानजनक तरीके और भावनात्मक धमकी तथा यह सारी व्यवस्था इस देश की परंपरा नहीं है ऐसा करने वाले लोग को बाहर फेंक दिया जाएगा आपको ऐसा नहीं करना चाहिए मैं आपको बताती हूं कि सहज योग में आप ऐसा नहीं कर सकते लोगों को अपमानित करने की उनके लिए अपमानजनक परिस्थितियां उत्पन्न करने की धारणाएं आप में नहीं होनी चाहिए यह सब आधुनिक शैली है अतः हमें ऐसा नहीं करना चाहिए सहज योग में हमें अत्यंत गरिमामय आचरण करना चाहिए जो हमारी शैली और हमारी परंपरा के अनुरूप हो सहज योग की परंपरा यह है कि हम लोगों से अत्यंत सभ्य मधुर इसने हमारे एवं प्रोत्साहित करने वाले तरीके से व्यवहार करें हम सबको इसी प्रकार बोलना चाहिए अतः पहली बात मैं यह बताती हूं कि अपने प्रेम की अभिव्यक्ति करते हुए आपको चिल्लाना नहीं चाहिए मैं उन लोगों पर चिल्लाती हूं जिनमें भूत है मेरे चिल्लाने से भूत भाग जाते हैं परंतु यदि आप चिल्ला आएंगे तो आप को भूत पकड़ लेंगे भूत भागेंगे नहीं आता बेहतर होगा कि आप चिल्लाए नहीं यदि आप मैं मेरी तरह से शक्तियां हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं परंतु आप में यह शक्तियां नहीं है किसी भूत वाले व्यक्ति पर यदि आप चिल्ला आएंगे तो भूत आपको पकड़ लेंगे अतः सावधान रहें मेरी विधियां ना अपनाएं मैं बिल्कुल भिन्न प्रकार की व्यक्ति हूं और सोच समझ कर बात करती हूं आप ऐसा नहीं करते अतः यदि आपने मेरी बातों का अनुसरण करना हो तो मेरी क्षमा प्रेम और स्नेह आदि गुणों को अपनाएं उन चीजों को नहीं जहां में भयंकर होती हूं अब मैं दो चीजें मांग रही हूं बड़ी अटपटी सी बात है मां अपने मुंह से कोई उपहार मांगे जो उपहार आपने देना है उसमें पहली चीज तो यह है कि आपके चरित्र में शक्ति की अभिव्यक्ति होना चाहिए परंतु इसका अर्थ यह भी नहीं कि शांत लोग भेरु होते हैं अस्वस्थ जो सभी मूर्तियों को सहन कर लेते हैं नहीं परंतु वह शांतिपूर्वक विरोध करने वाले लोग होते हैं आपको किसी चीज से भय नहीं है किसी चीज के आगे आपने झुकना नहीं है किसी चीज से समझौता नहीं करना है परंतु आप में ऐसे स्वभाव का विकसित होना अत्यंत आवश्यक है दूसरी चीज यह है कि आपकी इस शक्ति से आपके प्रेम की अभिव्यक्ति होना चाहिए प्रेम व स्नेह पूर्वक व्यवहार करना चाहिए आप जो चाहे करें चाहे भूखे रहें परंतु अन्य लोगों से करुणा एवं स्नेह पूर्वक व्यवहार करें ताकि अन्य लोगों पर प्रभाव पड़े और वह सोचे कि यह व्यक्ति अकखड़ नहीं

किस प्रकार आप कह सकते हैं मैं तुमसे घृणा करता हूं परंतु अब मैंने लोगों को इस प्रकार बात करते देखा है कि हम में क्या दोष है आप ऐसा कहने वाले कौन होते हैं यह हमारा बात करने का तरीका नहीं है किसी भी अच्छे परिवार का व्यक्ति इस प्रकार बात नहीं कर सकता क्योंकि इस प्रकार की बातों से उसका परिवार प्रतिबिंबित होता है परंतु यह पाश्चात्य देशों की अपेक्षा भाषा की नकल अधिक होती है जिस प्रकार लोग बसों में टैक्सियों में रास्ते में बातचीत करते हैं उस पर मुझे हैरानी होती है यह मेरी समझ में नहीं आता अतः मैंने उनसे कहा है कि भाषा प्रेममय तथा हमारी पारंपरिक शैली में होना चाहिए इस प्रकार तो हम अपने बच्चों को भी नहीं डांटते अपने बच्चों को भी यदि हमने डांट ना हो तो तब भी हम ऐसी भाषा का

इंदौर के सामने बड़ा चैलेंज..बारिश में सफाई का सर्वे होगा

BRTS से कॉलोनियों तक में जलभराव और छलनी सड़कें, पहली बार रैंकिंग गिरने का डर

इंदौर को स्वच्छता में सातवीं बार नंबर 1 बनाने के लिए टीमें तैयार हैं लेकिन इस बार चैलेंज बड़ा और नया है। दरअसल, केंद्र सरकार पहली बार बारिश के पीक सीजन में सर्वे कराएगी, इससे चिंता बढ़ गई है। शहर में कई जगह फ्लायओवर, मेट्रो ब्रिज और सड़कों के कारण सड़कें, सर्विस रोड खुदे पड़े हैं। इसके कारण रास्ते डायवर्टेड हैं और मामूली बारिश में ही सड़कें तालाब बना रही है, अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन ओवरफ्लो हो जाती है।

इस संकट का अभी कोई समाधान नहीं दिख रहा है इसलिए अफसरों ने केंद्र सरकार के सामने अपनी समस्या रख दी है। नंबर कटने और रैंकिंग गिरने का डर है। हालांकि, वहां से अभी यही संकेत हैं कि 17 अगस्त के बाद से सर्वे शुरू करने जा रहे हैं। यही नहीं, चुनावी तबादलों के कारण प्रशासन से लेकर नगर निगम के तमाम अफसर बदल गए हैं।

इंदौर में पहली बार स्वच्छता सर्वे का सामना करने जा रही नगर निगम की कमिश्नर हर्षिका सिंह का तो यहां तक कहना है कि बारिश में स्वच्छता सर्वेक्षण इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चुनौती है। ये बात उन्होंने सर्वेक्षण के लिए दिल्ली से आने वाली टीम के सामने भी रखी है।

297 अवैध से वैध की जा रही कॉलोनियां-बिना निगम की NOC की जा सकेंगी रजिस्ट्रियां: जानिए और क्या-क्या हैं इनके नियम

क्या अवैध के वैध की गई कॉलोनियों के मकान, प्लॉटो की रजिस्ट्रियां होंगी?

– हां बिल्कुल होगी, बशर्ते अवैध को वैध कॉलोनी करने की प्रोसेस पूरी हो गई हो। जिन अवैध कॉलोनियों को वैध करने की प्रोसेस चल रही है उनकी पूरी होने के बाद ही की जा सकेगी।

ज्यो फिर नगर निगम ने एनओसी की आवश्यकता क्यों बताई?

– दरअसल निगम की मंशा यह हो सकती है कि अवैध से वैध की गई कॉलोनियों धांधलियां न हो जाए, संभवतः इसके मद्देनजर उसने एनओसी संबंधी पत्र लिखा था। संभव है कि लोग इन कॉलोनियों में बगीचे की जमीन या अन्य स्थान की जमीन पर कब्जे कर रजिस्ट्री करा ले।

वैध हो चुकी कॉलोनियों में किसी को प्लॉट, मकान की रजिस्ट्री कराना हो कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी होंगे।

– नगर पालिक निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत या राजस्व ?विभाग द्वारा जारी नामांतरण आदेश। इसके अलावा सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाणित कॉपी जिसमें संबंधित संपत्ति होने का उल्लेख हो।

– संपत्ति कर के पेमेंट के खुद के नाम पर जारी रसीद की प्रमाणित कॉपी।

– खुद के नाम पर बिजली बिल भुगतान की प्रमाणित कॉपी।

– पूर्व में की गई रजिस्ट्री की प्रमाणित कॉपी।

– संपत्ति अगर ग्रामीण क्षेत्र में हो तो संबंधित पंचायत सचिव के प्रमाण पत्र की कॉपी।

जो कॉलोनियां वैध हो चुकी है वहां क्या भवन निर्माण की अनुमति मिलेगी?

– बिल्कुल मिलेगी। पहले यह होता था कि अगर कॉलोनाइजर चला गया है तो वहां 11 लोगों की सोसायटी बनती थी तथा 10% डेवलपमेंट चार्ज लिया जाता था। इसमें बगीचे की जमीन को छोड़कर वैध करने की प्रोसेस थी। अब इन मामलों में सरकार ने डेवलपेंट चार्ज भी माफ कर दिया है।

वैध हो चुकी कई कॉलोनियों में कमर्शियल भवन बन गए हैं, उसे लेकर क्या नियम है?

– उनका नक्शा रेसिडेंशियल कैटेगरी में ही पास होगा। अब इन रहवासी कॉलोनियों में जहां नए कमर्शियल भवन बनेंगे तो संभव है नगर निगम उन्हें तोड़े।

उक्त कॉलोनियों में अगर अब कोई कमर्शियल बिल्डिंग बनाने चाहे तो उसके लिए क्या प्रावधान है?

– टॉउन एण्ड कंट्री प्लानिंग में अगर अगर लैण्ड यूज अगर रेसिडेंशियल है तो कमर्शियल की अनुमति नहीं मिलेगी। अगर लैण्ज यूज कमर्शियल है तो ही फिर उसकी अनुमति मिलेगी।

इन कॉलोनियों में जिन्होंने अवैध निर्माण कर लिए हैं या एमओएस नहीं छोड़ा है उन पर क्या कार्रवाई होगी?

– अगर किसी के माध्यम से शिकायत मिलती है तो जांच के बाद तोड़ने की कार्रवाई हो सकती है। यह मामला तो अवैध कॉलोनियों को वैध करने का है। इसमें वही अनुमति मान्य होगी जो नियमों के तहत है।

ऐसे में क्या किया जा सकता है?

– एमओएस और एफएआर में 10% तक बना अवैध निर्माण कम्पाउण्डेबल है। उसके लिए निगम के निर्धारित जो भी चार्जेस हैं वह भरना होंगे।

इतनी कॉलोनियों में बड़े पैमाने पर हर तरह के निर्माण हुए हैं, ऐसी स्थिति क्यों बनी?

– दरअसल 1975 के बाद जब हॉउसिंग बोर्ड व आईडीए बने तो मकसद यह था कि ये नो लॉस नो प्रॉफिट में प्लॉट-मकान बेचेंगे ताकि

हर जरूरत व्यक्ति इन्हें खरीद सके। बाद में इन्होंने धीरे-धीरे नीलामी प्रक्रिया शुरू को तो रेट बढ़ने लगे। ऐसे में लोगों ने फिर अवैध कॉलोनियों की ओर रुख किया लेकिन उन्हें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही थी। ऐसे में अब इन रहवासियों को राहत देने के लिए अवैध कॉलोनियों को वैध किया जा रहा है। इसमें ऐसा नहीं कि कोई रेसिडेंशियल को कमर्शियल बना लें, यह अवैधानिक है। आमजन इन कॉलोनियों में अच्छे से रह सके इसलिए इन्हें वैध किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया, इंदौर, म.प्र. एवं जी-1, कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)